नाम — विश्वनाथ पाठक

मो0नं0 — 8081532966

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति मैं युवाओं की भूमिका

सतत विकास का अर्थ(मतलब)

सतत विकास को धारणीय या टिकाऊ विकास भी कहते हैं

सतत विकास विकास कि वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा पर्यावरण प्राकृतिक संसाधनों को बिना नुकसान पहुंचाए वर्तमान पीढ़ी कथा भावी पीढ़ी(आने वाली पीढ़ी) के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

वर्ष 2030 के अनुसार सतत विकास की कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

सतत विकास (SDG)

- ैक्ळ–1 शून्य गरीबी
- ैक्ळ–2 शून्य भुखमरी
- ैक्ळ–3 स्वास्थ्य एवं खुशहाली
- ैक्ळ –4 जलवायु कार्यवाही
- ैक्ळ –5 उत्कृष्ट विकास
- ैक्ळ –6 लक्ष्य प्राप्ति हेतु पढ़ाई
- ैक्ळ –7 जलवायु स्थल
- ैक्ळ –8 संवहन उत्पादन
- ैक्ळ –9 पर्यावरण
- ैक्ळ–10 डीजल, पेट्रोल

सतत विकास के महत्व–

आज के इस आधुनिक युग में सभी देश देश में एक दूसरे से आगे जाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद करते जा रहे हैं अगर अभी ने नहीं रोका गया तो भावी पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों के बारे में जान ही नहीं पाएगी। आधुनिक युग के लोग प्राकृतिक संसाधनों पर ध्यान ही नहीं देते हैं। आधुनिक युग के लोगों को सतत विकास के बारे में समझना चाहिए। और सतत विकास के प्रति लोगों को जागरूक कर सतत विकास जी सर अपना भी विकास करना चाहिए।

सतत विकास का अर्थ– सतत विकास का अर्थ है लगातार विकास बिना रुकावट के।

सतत विकास क्यों अनिवार्य है?

सतत विकास आधुनिक युग के लिए बहुत जरूरी है लोगों को यह पता होना चाहिए कि अगर हम प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद कर देंगे तो आने वाली पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों को जवान ही नहीं पाएगी और अपना विकास नहीं कर पाएगी।

आज के लोगों को यह पता होना चाहिए कि हमें अपनी जीविका चलाने के लिए रोटी कपड़ा मकान सबसे जरूरी है और उसके बाद अन्य चीजों की जरूरत है।।

आज के लोगों को पर्यावरण पेट्रोलियम जल बिजली पेड़ आदि के बारे में सोचना चाहिए।

हम लोगों को वायुमंडल को प्रदूषित नहीं करना चाहिए हमें प्रदूषण नहीं फैलाना चाहिए अभी जल्द ही हमारा देश कोरोना महामारी की चपेट में आया जिससे लाखों लोगों की जान गई।

हमें पेट्रोल डीजल आज वस्तुओं का अनावश्यक दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

हमें जल को प्रदूषित नहीं करना चाहिए और क्या पौधों को अनावश्यक नहीं काटना चाहिए।

सतत विकास का शाब्दिक अर्थ है बिना रुकावट के विकास लगातार विकास का मतलब हमारा विकास रूके ना लगातार होता रहे यह तभी संभव है जब हमें हर क्षेत्र में जागरूक होना चाहिए और प्राकृतिक की दी हुई चीजों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए देश के समस्त नागरिक को जागरूक होना चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग होने से रोकना चाहिए अगर प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग ऐसे ही चलता रहा तो हमारी आने वाली पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों को भूल जाएगी क्योंकि आज की दुनिया और लोग दोनों आधुनिक होते जा रहे हैं।

अगर कोई देश प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग करता है तो उसे भी कानूनी रूप से सजा देनी चाहिए।